डकिनि्सोनयिा जीवाश्म

डकिनि्सोनयिा जीवाश्म, जसिके बारे में वैज्ञानकिों ने वर्ष [2021 में भारत के भीमबेटका रॉक शेल्टर में खुदाई करने](#) का दावा कयिा था, के संबंध में सूचना गलत साबति हुई है।

- शोधकर्त्ताओं को इस स्थान की गहन जाँच करने पर पता चला कि **डकिनि्सोनयिा जीवाश्म** वास्तव में एक चट्टान पर फैला मधुमक्खी का मोम था।

डकिनि्सोनयिा:

- **परचिय:** डकिनि्सोनयिा **वलिुप्त, कोमल शरीर वाले, समुद्री जीवों की एक प्रजाति है, जो** लगभग 550 से 560 मलियिन वर्ष **पूर्व एडयिाकरन काल के दौरान पाए जाते थे।**
  - ये जीव लगभग 30 मलियिन वर्षों तक जीवन अस्तत्वि के कैम्ब्रयिन काल से पूर्व **पृथ्वी पर पाए जाने वाले शुरुआती जटलि जीवों में से थे।**
- **वशिषताएँ: अंडाकार या पत्ती के आकार की संरचना** डकिनि्सोनयिा जीवाश्मों की वशिषता है, ये आकार में एक इंच से भी कम से लेकर चार फीट से अधकि लंबे हो सकते हैं। इन जीवों के **शरीर चपटे थे तथा उनमें कोई कठोर भाग नहीं था** , जैसे खोल या हड्डयिाँ, जसिका अर्थ है कि वे आसानी से जीवाश्म नहीं बनते हैं और अक्सर चट्टानों में छापों (Impressions) के रूप में संरक्षति होते हैं।
- **प्रकृति और अन्य जीवों के साथ संबंध:** डकिनि्सोनयिा की प्रकृति और अन्य जीवों के साथ संबंध अभी भी वैज्ञानकिों के बीच ववािद का वषिय है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि **वे जेलीफशि या अन्य नडिारयिन (Cnidarians) से संबंधति हो सकते हैं** , जबकि अन्य का दावा है कि वे जीवों का एक अलग '**वलिुप्त संघ**' से थे जो कसिी भी आधुनकि जीवों से नकिटता से संबंधति नहीं हैं।
- **महत्त्व:** उनकी गंभीर प्रकृति के बावजूद डकिनि्सोनयिा जीवाश्म पृथ्वी पर जटलि पशु-जीवन के शुरुआती वकिास को समझने के लयि महत्त्वपूर्ण हैं।
- इसने अंतमि एडयिाकरन अवधि के दौरान शारीरकि संरचना के वकिास और पारस्थितिकि अंतःक्रयिाओं के बारे में महत्त्वपूर्ण साक्ष्य प्रदान कयि हैं।

//

भीमबेटका रॉक शेल्टर के मुख्य तथ्य:

- **इतिहास,अवधि एवं सीमा:**
  - भीमबेटका रॉक शेल्टर मध्य भारत में एक **पुरातात्त्वकि स्थल है जसिका वसि्तार प्रागैतहिासकि पुरापाषाण और मेसोलथिकि काल के साथ-साथ ऐतहिासकि काल तक देखा गया।**
  - यह भारत में **मानव जीवन की शुरुआत** एवं एशयूलयिन काल के **पाषाण युग के साक्ष्य** प्रदर्शति करता है।
  - यह एक **युनेस्को वशि्व धरोहर स्थल** है जसिमें सात पहाड़यिाँ हैं और 10 कमिी. में फैले 750 से अधकि शैलाश्रय हैं।
- **खोज:** भीमबेटका रॉक शेल्टर की खोज वी.एस. वाकणकर द्वारा वर्ष 1957 में की गई थी।
- **स्थान:** यह मध्य प्रदेश में होशंगाबाद और भोपाल के मध्य रायसेन ज़लि में स्थति है।
  - यह वधि्य पर्वत की तलहटी में भोपाल से लगभग 40 कलिोमीटर दक्षणि-पूर्व में स्थति है।
- **पेंटगि्स:** भीमबेटका के कुछ रॉक शेल्टर में प्रागैतहिासकि गुफा चत्रि हैं और ये सबसे पुराने लगभग 10,000 वर्ष पुराने हैं (8,000 ईसा पूर्व), जो भारतीय मेसोलथिकि के अनुरूप हैं।
  - ये चत्रि अधकिांश गुफाओं की दीवारों पर लाल और सफेद रंग से बने हैं।
  - रॉक कला के इस रूप में कई वषियों को शामलि कयिा गया था और इसमें गायन, नृत्य, शकिार तथा यहाँ रहने वाले लोगों की अन्य सामान्य गतविधियिों जैसे दृश्यों को दर्शाया गया था।
    - भीमबेटका की सबसे पुरानी गुफा पेंटगि लगभग **12,000 वर्ष पहले की मानी जाती है।**

स्रोत: द हदि्

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dickinsonia-fossil